भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 149#

गुरुवार, 2 फरवरी, 2023/13 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध तीर्थ स्थल के रूप में सारनाथ का विकास किया जाना

149#. श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वाराणसी को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने के साथ सारनाथ को भगवान बौद्ध स्थली के रूप में विकसित करने की योजना है;

(ख) यदि हां तो इस योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा अभी तक क्या-क्या कार्य किए गए हैं;

(ग) गत 2 वर्षों में सारनाथ के विकास हेतु कुल कितनी धनराशि खर्च की गई है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) सारनाथ से अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के किन बौद्ध स्थलों का विकास सरकार द्वारा कराए जाने की योजना है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी योजना अर्थात् तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) के तहत उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार से प्रस्ताव प्राप्त होने पर उत्तर प्रदेश में सारनाथ में निर्माण कार्य सहित वाराणसी के लिए निम्नलिखित परियोजनाओं को अनुमोदित किया हैः

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**भौतिक प्रगति**
1.	वाराणसी का विकास - चरण - I	2015-16	20.40	पूर्ण हो गई
2.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02	पूर्ण हो गई
3.	प्रशाद योजना के तहत वाराणसी का विकास - चरण II	2017-18	44.60	पूर्ण हो गई

उपरोक्त क्र. सं. 1 में उल्लिखित परियोजना के तहत सारनाथ में निम्नलिखित कार्यों को अनुमोदित और कार्यान्वित किया गया हैः

क्र. सं.	**निर्माण कार्य**	**लागत लाख रु. में**	**स्थिति**
1.	धामेक स्तूप - साउंड एंड लाइट शो	733.66	100%
2.	बुद्ध थीम पार्क, सारनाथ	220.22	100%

(घ): प्रशाद योजना के तहत परियोजनाओं पर विचार और अनुमोदन योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप संबंधित राज्य सरकार अथवा संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्रस्ताव प्राप्त होने पर किया जाता है।

*****